NBT Page 3

80 नहीं अब देने होंगे 40 सवालों के जवाब

■ एनबीटी, लखनऊ : कोरोना संकट से हुए पढ़ाई में नुकसान के कारण एलयू ने स्टूडेंट्स को राहत दी है। अभी तक दो घंटे की परीक्षा में 80 सवाल पूछे जाते थे। अब सिर्फ 40 सवाल होंगे और एक घंटे में जवाब देना होगा। वहीं, पेपर आसान बनाए जाएंगे, जिससे स्टूडेंट्स आसानी से हल कर सके।

एलयू ने दी राहत, एक घंटे का होगा पेपर

एलयू प्रवक्ता दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पेपर का सरलीकरण किया जाएगा। सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए परीक्षा दो के बजाय तीन पालियों में करवाई जाएगी। परीक्षा से पहले क्लास रूम को सैनिटाइज किया जाएगा। स्टूडेंट्स की थर्मल स्कैनिंग करवाई जाएगी। बता दें कि सात जुलाई से एलयू में सभी सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

प्रमोट करना स्टूडेंट हित में नहीं: एलयू प्रशासन का कहना है कि स्टूडेंट्स को प्रमोट करना ठीक नहीं रहेगा। स्टूडेंट्स की मार्कशीट में प्रमोट ड्यू-टू कोरोना वायरस लिखा जाएगा, जो कि उनके भविष्य के लिए ठीक नहीं होगा। इससे 60 फीसदी या उससे ज्यादा अंक लाने वाले स्टूडेंट्स को भी दिक्कत होगी।

HINDUSTAN Page 7

एलएलबी: एक सीट पर 33 दावेदार

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिए इस बार और भी मारामारी हो सकती है। यहां प्रवेश के लिए अब तक हुए पंजीकरण की संख्या देखकर यही लग रहा है। हालत यह है कि एलएलबी पांच वर्षीय की एक सीट के करीब 33 दावेदार हैं। वहीं बीकॉम की एक सीट पर 13 दावेदार हैं।

जानकारी के अनुसार यही हाल पीजी में भी है। यहां एलएलएम की एक सीट के लिए भी 33 दावेदार हैं।

लविवि ने आवेदन की अन्तिम तिथि 13 जून निर्धारित की है। जिसे बढ़ाकर 30 जून किया जाना तय हो चुका है। विवि के स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए

अभी तक लगभग 38 हजार छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया है। वहीं पीजी के लिए लगभग 17 हजार पंजीकरण हुए हैं।

विवि 30 जून तक प्रवेश के लिए आवेदन लेगा। उसके लगभग एक महीने बाद प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। ऐसे में प्रवेश परीक्षा जुलाई के अन्तिम सप्ताह तक होना संभावित है।

● नए सत्र में प्रवेश के लिए हो सकती है मारामारी

कुछ पाठ्यक्रमों में पंजीकरण की स्थिति

स्नातक

विषय	सीट	पंजीकरण
बी.कॉम	870	11500
बीएससी मैथ	470	5500
लॉ 5 वर्षीय	120	4000
प्रबंधन	360	2000
बीएससी बायो	280	3200

परा-स्नातक

विषय	सीट	पंजीकरण
एलएलबी	320	3300
एलएलएम	60	2000
एमकॉम प्योर	180	1000
एमएससी बॉ.	135	700

11 विषयों में पीजी सिर्फ एलयू कैम्पस में

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

67 पाठ्यक्रमों के लिए 4500 सीटें हैं विवि में | **50** महाविद्यालयों में यूजी राजनीतिशास्त्र

रक्षा अध्ययन विभाग किसी महाविद्यालय में नहीं

रक्षा अध्ययन विभाग किसी भी सहयुक्त महाविद्यालय में नहीं है। यह सिर्फ लविवि परिसर में ही उपलब्ध है। विभाग के डॉ. ओपी शुक्ला बताते हैं कि लविवि के अलावा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और गोरखपुर विश्वविद्यालय में संचालन होता है।

अगर आप राजनीति शास्त्र, लोक प्रशासन, दर्शनशास्त्र जैसे विषयों में परास्नातक की पढ़ाई करना चाह रहे हैं तो आपको लखनऊ विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज में विकल्प नहीं मिलेगा। इसके लिए सिर्फ लविवि परिसर ही एकमात्र विकल्प है। तकरीबन 11 ऐसे विषय हैं जिनमें परास्नातक की पढ़ाई लविवि के किसी सहयुक्त कॉलेज में नहीं होती।

लविवि में पीजी के लगभग 67 पाठ्यक्रम चलते हैं, जिनमें करीब 4500 सीट उपलब्ध हैं। इन्हीं में कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं जो पीजी स्तर पर केवल लविवि में ही पढ़ाए जाते हैं। राजधानी के 50 से ज्यादा महाविद्यालयों में राजनीति शास्त्र के यूजी पाठ्यक्रम चल रहे हैं। लेकिन एक भी महाविद्यालय में इस विषय का पीजी नहीं है। इसी तरह लोक प्रशासन की पीजी की पढ़ाई भी केवल विवि में ही होती है। दर्शनशास्त्र, वेस्टर्न हिस्ट्री, समाज कार्य, एमएससी रीन्यूएबल एनर्जी, एमएससी बायो केमिस्ट्री, एमएससी कम्प्यूटर साइंस, एमएससी जियोलॉजी में भी यही स्थिति है।